

फ्लाइट टिकट के मनमाने दाम पर अब लगेगी लगाम

● नई दिल्ली / आरएनएन

सुप्रीम कोर्ट में देश के विमानन क्षेत्र को विनियमित और नियंत्रित करने की याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र ने बताया कि नियमों को मंजूरी दे दी गई है। इसे प्रकाशित होने में दो सप्ताह लगने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को चल रही सुनवाई पर केंद्र ने पीठ को बताया कि भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत बने नियमों को प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, आर. महादेवन और अपरेश कुमार सिंह की पीठ कर रही है। पीठ ने सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के नियमों को अगली सुनवाई में पेश करें। सुनवाई की शुरुआत में मेहता ने कोर्ट को बताया कि नियम को मंजूरी दे दी गई है। दो हफ्ते में प्रकाशित किया जाएगा। अगली सुनवाई 16 नवंबर तक की गई है।

पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, आरएनएन। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को चेस्ट इंफेक्शन की शिकायत के बाद दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एडमिट कराया गया है। 98 वर्षीय आडवाणी को शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे अस्पताल लाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। फ्लमोनी विभाग में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल ने आडवाणी के स्वास्थ्य को लेकर विशेष जानकारी नहीं दी है।

हम कॉम्पिटिशन से डरते नहीं मस्क का यहां स्वागत करते हैं

स्टारलिक विवाद पर अब रिलायंस इंडस्ट्रीज ने दिया जवाब

आरआईएल ने कहा- हम सैटेलाइट कम्युनिकेशन में कॉम्पिटिशन के लिए तैयार हैं

● नई दिल्ली / आरएनएन

स्टारलिक विवाद पर रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एलन मस्क को जवाब दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने साफ-साफ कहा कि कंपनी कभी कॉम्पिटिशन से डरती नहीं, बल्कि उसका स्वागत करती है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शुक्रवार को अपने बयान में कहा कि वह भारत के सैटेलाइट कम्युनिकेशन बाजार में एलन मस्क की कंपनी स्टारलिक समेत सभी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा का स्वागत करती है। हालांकि, कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि सभी ऑपरेटरों को देश के कानूनों और रेगुलेटरी नियमों का पालन करना होगा। रारअसल, रिलायंस और भारतीय बाजार को लेकर हाल ही में की गई एलन मस्क की टिप्पणियों के बीच कंपनी ने एक बयान जारी किया।



जियो भी कर रही मंजूरी का इंतजार

बयान में कहा गया, जैसा कि भारत सरकार ने बताया है कि वह हर आवेदक के लिए एक जैसी प्रक्रिया अपनाती है, चाहे वह भारतीय हो या विदेशी। जियो की अपनी सैटेलाइट सेवाएं भी अभी मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। रिलायंस ने कहा कि वह प्रतिस्पर्धा को ग्राहकों की सेवा करने का एक जरूरी हिस्सा मानती है। कंपनी ने 2016 में टेलीकॉम सेक्टर में जियो की एंट्री को अपने इसी नजरिए के एक उदाहरण के तौर पर पेश किया। कंपनी ने कहा, रिलायंस ने कभी प्रतिस्पर्धा से डरना नहीं सीखा। हम इसे इस बात की सबसे सच्ची कसौटी मानते हैं कि ग्राहकों की सबसे अच्छी सेवा कौन करता है।

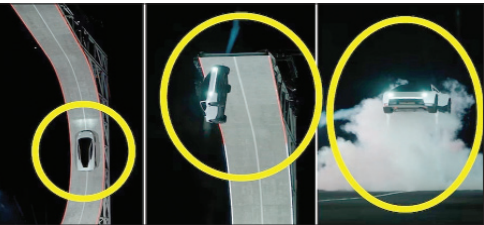
कमाल मस्क ने किया वीडियो जारी, पहले कार सड़क पर दौड़ी और फिर हवा में उड़ी टेस्ला की आ गई उड़ने वाली कार, नाम रोडस्टर

● नई दिल्ली

टेस्ला की फ्लाईंग कार का वीडियो इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। टेस्ला ने उड़ने वाली कार के कॉन्सेप्ट को हकीकत में लाकर खड़ा कर दिया है। इसका नाम टेस्ला रोडस्टर है और कंपनी ने इसको लॉन्च कर दिया है। मस्क ने बताया कि रोडस्टर का प्रोडक्शन साल 2028 में शुरू होगा। कार को बुक करने के लिए कुल 50 हजार डॉलर यानी करीब 48 लाख का डिपॉजिट देना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, यह पूरा पैसा 100 प्रतिशत रिफंडेबल है। जारी वीडियो में दिखाया है कि टेस्ला की कार रोड पर चलती है और फिर खड़ी दीवार पर चढ़ जाती है, जिसके बाद जाकर वह पलट जाती है।

कार की स्पीड

0 से 60 मील यानी, 97 किमी/घंटे की रफ्तार पकड़ने के मामले में इस कार ने डेमो के दौरान महज 0.81 सेकंड का समय दर्ज किया है। अगर 2028 में यह कार इसी क्षमता के साथ बाजार में उतरती है, तो यह दुनिया की सबसे तेज पिकअप वाली कार बन जाएगी। फिलहाल यह रिकॉर्ड क्रोएशियाई इलेक्ट्रिक हाइपरकार रैमक नेवेरा आर के नाम है। इसने 1.66 सेकंड में 0-60 मील प्रति घंटा का आंकड़ा दर्ज किया है। टॉप स्पीड के मामले में फिलहाल यह दुनिया की सबसे तेज कार नहीं है। टेस्ला का दावा 230 मील प्रति घंटे यानी करीब 370 किमी/घंटे से अधिक रफ्तार का है। जबकि यांगवांग यू9 एक्सट्रीम 308 मील/घंटे यानी करीब 496 किमी/ घंटे जैसी गाड़ियां इससे कहीं आगे हैं।



स्पेसएक्स के इंजीनियर्स ने किया है यह कमाल

मस्क इस कार को टेस्ला और स्पेसएक्स के इंजीनियरों के साथ मिलकर किए गए काम का नतीजा बताया। मस्क ने बताया कि कार खुद को ऊपर उठाने के लिए एक एडवांस्ड अल्ट्रा-हाई प्रेशर एयर टैंक का इस्तेमाल करती है। कार में हवा में कंट्रोल के लिए एंटीड्रिफ्ट थ्रस्टर्स और पीछे की तरफ में थ्रस्टर्स हैं। यह बिल्कुल रॉकेट की तरह उड़ सकती है और हवा में कलाबाजियां खा सकती है। इवेंट में जब एक दर्शक ने पूछा कि क्या यह कार आम सड़कों पर चलाने के लायक है, तो मस्क ने मजाकिया अंदाज में कहा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी सड़क कैसी है। हालांकि, उन्होंने तुरंत साफ किया कि यह इस्तेमाल करने में एक प्रैक्टिकल कार ही होगी। मस्क ने यह भी बताया कि रोडस्टर टेस्ला की इकलौती ऐसी कार होगी जिसे सिर्फ मैनुअली चलाया जा सकेगा। इसे बहुत ज्यादा सेप्टी को ध्यान में रखकर डिजाइन नहीं किया गया है।

मानसून सत्र अभी तक औपचारिक रूप से बंद नहीं हुआ

परिसीमन और महिला आरक्षण पर विशेष सत्र बुलाने की तैयारी

दोनों बिल से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक ला सकती है एनडीए सरकार, केंद्र को डीएमके और कुछ छोटे विपक्षी दलों का समर्थन

● नई दिल्ली

संसद का विशेष सत्र इसी महीने के आखिर में बुलाया जा सकता है। सरकार इस सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक लाने की तैयारी में है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार को भरोसा है कि लोकसभा में इन विधेयकों को पास कराने लायक संख्या उसके पास है।

यह सब ऐसे समय हो रहा है जब विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विरोध तेज कर रहा है। सरकार डीएमके और कुछ छोटे विपक्षी दलों से भी बातचीत कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार सरकार



लोकसभा में अपनी ताकत को लेकर आश्वस्त है। इसी भरोसे के साथ वह विशेष सत्र बुलाने पर प्रस्तावित कानून आगे बढ़ाना चाहती है। साथ ही वह विपक्षी दलों से संपर्क करके समर्थन जुटाने की कोशिश भी कर रही है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को खत्म हो गया था, लेकिन उसका सत्रावसान अभी नहीं हुआ है।

परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं पीएम मोदी: खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चौथी बार पत्र लिखकर परिसीमन के प्रस्तावों पर चर्चा के लिए जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संसद में कोई भी नया प्रस्ताव पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श कर उसे अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। शुक्रवार को लिखे पत्र में खड़गे ने कहा कि 13 अगस्त को संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए दो महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन दोनों सदनों की अगली बैठक अब तक नहीं बुलाई गई है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर परिसीमन से जुड़े किसी भी संवैधानिक संशोधन विधेयक को लाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। खड़गे के मुताबिक, सरकार ने 14 अप्रैल को देर शाम विधेयकों को सार्वजनिक किया और 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया। हालांकि, 17 अप्रैल को संबंधित विधेयक लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा। इसके बाद खड़गे ने 16 जुलाई और 27 अगस्त को भी पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी।

मेरठ सांप कांड में रविता और अमरदीप को फांसी

पति का गला घोटने के बाद बिस्तर पर छोड़ दिया था सांप

● मेरठ / आरएनएन

मेरठ कोर्ट ने दो दिन में चार लोगों को दी मौत की सजा

अपने पति की गला दबाकर हत्या करने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पहले पति अमित कश्यप का गला दबाकर उसकी जान ली और इसके बाद इस हत्याकांड की हानदसा दिखाने के लिए उसके बिस्तर पर सांप छोड़ दिया।

हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। 12 अप्रैल 2025 की इस घटना में आखिरकार आज इंसफ हो गया। मेरठ की अदालत ने दो दिन में चार लोगों को फांसी की सजा सुना चुकी है। मेरठ के एडीजे 12 जयवीर सिंह नागर की कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। आरोपी रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई। मेरठ के बहसूमा क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 12 अप्रैल 2025 की रात को अमित कश्यप की हत्या कर दी गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई।

प्रधान आरक्षक फिरोज खान की बेहिसाबी संपत्ति 35 करोड़ के पार

लोकायुक्त की जांच में अब तक 38 अचल संपत्तियां मिलीं, परिचित महिला के नाम राजोदा में कृषि भूमि खरीदने का भी हुआ खुलासा

इंदौर (आरएनएन)। पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (पीटीसी) के वाहन चालक प्रधान आरक्षक फिरोज खान के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस की जांच में बेहिसाबी संपत्ति का बाजार मूल्य 35 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। अब तक की जांच में आरोपी, उसके परिवार, सहयोगियों और फर्म के नाम पर 38 अचल संपत्तियां सामने आई हैं। इनकी गाड़इलाइन के अनुसार कीमत 12 करोड़ 97 लाख रुपये से अधिक, जबकि बाजार मूल्य 35 करोड़ 46 लाख 46 हजार रुपये आंका गया है।

लोकायुक्त इंदौर के एसपी राजेश सहाय के अनुसार, शिकायत के आधार पर 14 अक्टूबर से फिरोज खान के विभिन्न आवासों और ठिकानों पर सचंच कार्रवाई की गई। जांच के दौरान विभिन्न विभागों से जानकारी मांगी गई है। अब तक की जांच में आरोपी द्वारा चल-अचल संपत्तियों की खरीद पर 15 करोड़ 52 लाख 2 हजार 923 रुपये खर्च किया जाना पाया गया है। कार्रवाई अभी जारी है।



महिला का मुंह दबाना और उसके ऊपर लेटना रेप का प्रयास नहीं

● नई दिल्ली

पटना हाईकोर्ट में बिहार के बेगूसराय में फरवरी 2010 में हुई एक घटना के मामले में आरोपी की दुष्कर्म के प्रयास से जुड़ी दोषसिद्धि को बरकरार नहीं रखा है। अदालत ने कहा उपलब्ध साक्ष्यों से दुष्कर्म के प्रयास का अपराध साबित नहीं होता।

हालांकि, आरोपी को महिला की गरिमा भंग करने और अवैध रूप से घर में प्रवेश करने के अपराधों में दोषी ठहराया था। दुष्कर्म के प्रयास के लिए उसे चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी।

दुष्कर्म के प्रयास के लिए ठोस कृत्य जरूरी

आरोपी ने हाईकोर्ट में दलील दी कि अभियोजन पक्ष मुख्य रूप से महिला के बयान पर निर्भर था। बचाव पक्ष ने चोट या फट कटों जैसे साक्ष्यों की कमी का भी उल्लेख किया। पीठ ने मामले के रिकॉर्ड और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करते हुए कहा कि दुष्कर्म के प्रयास का अपराध साबित करने के लिए केवल गलत इरादा या आपत्तिजनक व्यवहार पर्याप्त नहीं है।

झोपड़ी में रहती थी। आरोप था कि रात करीब 10 बजे मोहम्मद ऐनुल हक उसके घर में घुसा, दीया बुझाया और उसके ऊपर लेट गया। महिला ने शोर मचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया। पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं होने पर महिला दुष्कर्म के प्रयास का अपराध का रद्द किया। जुलाई 2013 में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को दुष्कर्म के प्रयास और अवैध रूप से घर में प्रवेश करने के अपराधों में दोषी ठहराया था। दुष्कर्म के प्रयास के लिए उसे चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी।

परिचितों के नाम पर भी संपत्तियां

जांच में देवास जिले के राजोदा गांव में परिचित रोशनी वर्मा के नाम 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदे जाने की जानकारी मिली है। रजिस्ट्री के अनुसार इसकी कीमत 62 लाख 46 हजार 562 रुपये है। इसके अलावा साहिल ट्रेडिंग कंपनी के नाम देवास की शक्ति नागर कॉलोनी में 1.250 वर्गफीट का भूखंड मिला है, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 6 लाख 16 हजार 169 रुपये है। परिचित नफीस खान के नाम शालीमार कॉलोनी, देवास में 40.5 वर्गमीटर का भूखंड दर्ज है, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 2 लाख 50 हजार 596 रुपये है। जांच में परिचित रातू कुशवाह के नाम देवास जिले के लोहाना गांव में 0.305 हेक्टेयर कृषि भूमि भी मिली है। रजिस्ट्री के अनुसार इसकी कीमत 7 लाख 49 हजार 946 रुपये है। लोकायुक्त पुलिस के मुताबिक, अब तक सामने आई संपत्तियों का विवरण जांच में शामिल किया गया है। मामले में सर्व और अन्य विभागों से जानकारी जुटाने की कार्रवाई जारी है।

विधायक अनंत सिंह बोले-नीतीश कुमार के लिए 9 मर्डर कराए...

● पटना

बिहार में मोकामा से जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के विधायक अनंत सिंह के एक बयान से राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। उन्होंने पुराने दिनों का जिक्र करते हुए दावा किया था कि नीतीश कुमार के साथ रहते हुए उन्होंने नौ लोगों की हत्या करावाई थी। विवाद बढ़ने के बाद अनंत सिंह ने वीडियो जारी कर सफाई दी। अपने नए बयान में उन्होंने कहा कि लालू यादव की सरकार के दौरान उनके नौ साथियों के निधन उनके नौ साथियों के निधन के लिए बड़ी रकम उन्हें खुद गोली मारी गई थी और इसकी वजह नीतीश कुमार के साथ उनका खड़ा होना था। इस तरह उनके पहले और बाद के बयानों में अंतर सामने आया है।

वह जेडीयू नेता नीरज कुमार को जवाब देते हुए पुराने दिनों के त्याग और अनंत सिंह ने कहा कि नुकसान का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि लालू यादव की सरकार के दौरान उनके नौ साथियों की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय उन्हें खुद गोली मारी गई थी और इसकी वजह नीतीश कुमार के साथ उनका खड़ा होना था। इस तरह उनके पहले और बाद के बयानों में अंतर सामने आया है।

विवाद के बाद बयान से पलटे, अब बोले- हमारे लोग कुर्बान हुए...

निकसान का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि लालू यादव की सरकार के दौरान उनके नौ साथियों की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय उन्हें खुद गोली मारी गई थी और इसकी वजह नीतीश कुमार के साथ उनका खड़ा होना था। इस तरह उनके पहले और बाद के बयानों में अंतर सामने आया है।

युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार दिलाया जाए प्रशिक्षण

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मुरैना में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में दिए निर्देश

● भोपाल / प्रशासनिक संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुरैना सहित प्रदेश के सभी जिलों में स्थानीय आवश्यकताओं, संसाधनों और संभावनाओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार कर उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

उद्योगों की जरूरत के अनुसार युवाओं को पहले से प्रशिक्षण दिलाया जाए, ताकि औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन शुरू होते ही स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को दो-दो लाख रुपए तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एक-एक लाख रुपए की पुरस्कार राशि देने की घोषणा भी की। वे शुक्रवार को जनविश्वास अभियान के अंतर्गत मुरैना कलेक्टरेट सभागार में आयोजित जिला



कहा- प्रत्येक जिले को विकास का आदर्श मॉडल बनाने स्थानीय समस्याओं, जरूरतों और संभावनाओं को समझना जरूरी

विकास सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले को विकास का आदर्श मॉडल बनाने के लिए स्थानीय समस्याओं, जरूरतों और संभावनाओं को समझना जरूरी है। जनप्रतिनिधि समिति के माध्यम से अपने सुझाव प्रस्तुत करें, ताकि विकास योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरैना में औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। ग्लास विनिर्माण जैसी बड़ी परियोजनाओं से निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने सीएम समाधान कार्यक्रम में विभिन्न शिकायतकर्ताओं से संवाद कर समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। लाइली लक्ष्मी योजना, आवास योजना के विलों में गड़बड़ी, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना और नल-जल योजना से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा की गई। संबंधित प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी डीपीओ ओपी पांडे को शोर्ज नोटिस जारी करने, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अमर दाहिया को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने और ऊर्जा विभाग के उप महाप्रबंधक रघुवीर सिंह को शिकायत का समय पर निराकरण नहीं होने पर लघु शास्ति लगाने के निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त सत्येंद्र शायरे को नगरीय निकायों से संबंधित प्रकरणों के अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं का प्रारंभिक स्तर पर ही संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से समाधान होना चाहिए। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही या नज़िदनों में अनियमितता मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शेयर बाजार में हेरफेर पर ईडी का दो कंपनियों पर एक्शन

नई दिल्ली (आरएनएन)। शेयर बाजार में कथित हेरफेर और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 16 अक्टूबर 2026 को छह शहरों में 29 ठिकानों पर छापेमारी की। मुंबई जोनल कार्यालय-1 की अगुवाई में यह कार्रवाई मुंबई, नासिक, अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत और भावनगर में की गई। जांच के दायरे में सूचीबद्ध कंपनियां ड्रिप एंड स्पिंकलर्स सिस्टम्स लिमिटेड और डेनिम्स लिमिटेड हैं।

ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत यह कार्रवाई की। ईडी की जांच के मुताबिक, अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के बीच दोनों कंपनियों ने चुनिंदा व्यक्तियों और संस्थाओं को 3.5 करोड़ से अधिक शेयर और परिवर्तनीय वारंट जारी किए। इनके भुगतान के लिए बड़ी रकम कथित तौर पर सीमित और आपस में जुड़े व्यक्तियों, कंपनियों तथा कर्जदाताओं के समूह से आई थी।

► बड़े राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदल गया छात्रों को विरोध-प्रदर्शन

जेन-जी आक्रोशित: फ्रांस के बाद अब अल्बानिया में भड़का छात्र आंदोलन

पुलिस से हिंसक झड़पें, सरकारी व सार्वजनिक संपत्तियों में आगजनी, संसदीय सत्र रद्द होने की नौबत

● तिराना

अल्बानिया की राजधानी तिराना में छात्रों के नेतृत्व में हो रहा विरोध-प्रदर्शन अब एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदल गया है। बेहतर शिक्षा, वित्तीय सहायता और रोजगार के अवसरों की मांग से शुरू हुआ यह आंदोलन अब पीएम एडी रामा के इस्तीफे और पूरी व्यवस्था में बदलाव की मांग तक पहुंच चुका है।

राजधानी तिराना में तीन दिनों से जारी इस अशांति के कारण दंगा-रोधी पुलिस के साथ हिंसक झड़पें, सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों में आगजनी और संसदीय सत्र तक रद्द होने की नौबत आ गई है। प्रदर्शनों की मुख्य शुरुआत विश्वविद्यालय परिसरों के खस्ताहाल, उच्च शिक्षा की आसमान छूती लागत, अपर्याप्त वित्तीय सहायता और पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के अवसरों की कमी को लेकर हुआ। यह विरोध-प्रदर्शन 13 अक्टूबर को अल्बानिया के शिक्षा मंत्रालय के बाहर शुरू हुआ और अगले ही दिन पूरे तिराना में फैल गया।



चुका है कि आम लोगों का जीवन कठिन हो गया है। प्रदर्शनकारी एडिडा बिमी के अनुसार, यह आंदोलन अब केवल छात्रों का नहीं रहा, बल्कि पूरी व्यवस्था के खिलाफ लोगों का गुस्सा है।

वहीं, प्रदर्शनकारी आर्बेर लेशी ने मौजूदा सरकार को देश की अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार करार दिया। शिक्षा के मुद्दों पर शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुआ यह आंदोलन जल्द ही उग्र रूप ले चुका है। प्रदर्शनकारियों ने पीएमओ, वित्त मंत्रालय,

गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय परिसर के एक हिस्से में आगजनी की। इसके अलावा दो निजी बैंकों और कई दुकानों की खिड़कियां तोड़ दी गईं।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारों और आंसू गैस के गोलों का सहारा लिया। हिंसा के दौरान 6 पुलिस अधिकारी और 1 महिला पत्रकार घायल हुए हैं। पुलिस ने अलग-अलग चरणों में 39 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है।

फ्लेमिंगो क्रांति और जेरेड कुशनर विवाद

यह छात्र आंदोलन रामा सरकार के खिलाफ महीनों से चल रहे व्यापक सरकार विरोधी अभियानों का ही हिस्सा है। इस जन-असंतोष को फ्लेमिंगो क्रांति के नाम से जाना जा रहा है, जिसकी मुख्य वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर से जुड़ा एक विवादित पर्यटन प्रोजेक्ट है। अल्बानिया के दक्षिणी तट पर एक लज्जरी रिसॉर्ट बनाने की योजना है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस विकास परियोजना के नाम पर उनकी जमीनों को गलत और अवैध तरीके से बेचा गया। इस विवाद ने सरकार के खिलाफ जन-आक्रोश को और भड़का दिया।

स्थानीय मीडिया में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को पीटने और घसीटने के फुटेज सामने आने के बाद मानवाधिकार संगठन अल्बानियाई हेलप्सिकी कमिटी ने पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र जांच की मांग की है।



ड्रग्स के छुटकारे के लिए अस्पताल में भर्ती हुई महाराह अल नहयान

महाराह को ड्रग्स से छुटकारे के इलाज के लिए प्रायरी क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। हालांकि घटना वाले दिन की बात की जाए तो पुलिस को उनके पास से कोई नशीली चीज नहीं मिली। पुलिस ने मोफे से ड्रग्स के जुड़ी कुछ चीजें मिली थी जिसकी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई। घटना वाले दिन जब महिला होश में आई तो देखा की राहगीरों ने उनके पास खेल रहे बच्चे का खयाल रखा हुआ था। इस दौरान महिला ने लोगों से ये भी पूछा कि आप लोग परेशान क्यों हैं ?

पहले ही उन्होंने कोकीन लेने की बात स्वीकारी थी। जिसके बाद मीडिया में उनको लेकर कई तरह की चर्चाएं गमं हो गई। कोर्ट केस के वक्त ये जानकारी सामने आई कि

महाराह को 8000 यूरो (भारतीय रुपयों में 1010484) भत्ता मिलता है। इस दौरान ये पता नहीं चल पाया कि घटना के वक्त इनके पास मिले बच्चे से इनका क्या रिश्ता है।

पीएम 11 -12 दिसंबर को जाएंगे कनाडा व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने पर जोर

● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 और 12 दिसंबर को कनाडा के दौरे पर जाएंगे। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इसकी जानकारी दी। दौरे के दौरान मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, सुरक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों में सहयोग बढ़ाने पर ठोस नतीजों की दिशा में काम करेंगे। पीएम मोदी टोरंटो और ओटावा जाएंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कैलवरी के एक रेस्तरां में लोगों से चर्चा में दौरे की तारीखों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से उनकी बात हुई है और दौरे में टोरंटो तथा ओटावा शामिल होंगे। उन्होंने



यह भी कहा कि दौरे का दायरा बढ़ाने की संभावना पर विचार किया जाएगा। भारतीय उच्चायोग के मुताबिक, हाल में दोनों पीएम के बीच हुई बातों में द्विपक्षीय संबंधों की सकारात्मक रफ्तार को आगे बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में ठोस नतीजे हासिल करने पर सहमति बनी। पीएम मोदी ने मंगलवार को कहा था कि कार्नी के साथ उनकी बातचीत गर्मजोशी भरी और उपयोगी रही। उन्होंने सोशल मीडिया मंच

एक्स पर कहा कि भारत और कनाडा मिलकर अधिक स्थिर और खुशहाल दुनिया बनाने में योगदान दे रहे हैं। कार्नी के कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत जल्द से जल्द पूरी करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

रूस से डीजल डील पर ट्रम्प पर भड़के जेलेंस्की

● नई दिल्ली

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को रूस को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डीजल की बिक्री फिर से शुरू करने की अनुमति देने वाले अमेरिकी डील की आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे रूसी गैस के निर्यात पर लगी पाबंदियां और अन्य प्रतिबंधों में ढील का रास्ता खुल सकता है।

बसेल्स में ईयू शिखर सम्मेलन से इतर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा कि डीजल से जुड़े समझौतों को स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसके बाद गैस से जुड़े समझौते होंगे। उन्होंने कहा कि गैस और अन्य चीजों पर लगे बैंन हटा दिए जाएंगे और आखिरकार यह बैंकिंग सिस्टम और कुछ लोगों तक

पहुंच जाएगा। जेलेंस्की ने कहा कि स्पेसएक्स की स्टारलिनक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेवा का संचालन बेहतर हुआ है, लेकिन इसे पूरी तरह बहाल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सेवा में रुकावट से नागरिकों की जान जोखिम में पड़ गई थी, क्योंकि यूक्रेन रूसी ड्रोन को रोकने के प्रयासों में स्टारलिनक पर निर्भर है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन रूस के क्षेत्र पर हमलों या जवाबी कार्रवाई के लिए स्टारलिनक का इस्तेमाल नहीं करता। इसी वजह से यूक्रेन ने स्पेसएक्स और व्हाइट हाउस से संपर्क कर इस क्षमता को बहाल करने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूसी शहरों पर भेजे जाने वाले जेट इंजन वाले शाहिद ड्रोन को रोकने के लिए स्टारलिनक का इस्तेमाल करता है।

पीएम ने मेडएक्सएआई की AI हेल्थकेयर तकनीकों को सराहा



● चेन्नई

भारत की उभरती डीप-टेक क्षमताओं को एक बड़ी मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेडएक्सएआई इनोवेशंस प्रा.लि. द्वारा विकसित हेल्थकेयर नवाचारों की तारीफ की। यह एक हेल्थकेयर डीप-टेक स्टार्टअप है, जिसे बेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), चेन्नई में इनक्यूबेट किया गया है। चेन्नई में 'पोर मेट्रो रेल' परियोजना के उद्घाटन के दौरान, तमिळनाडु के सीएम थिरु सी. जोसेफ विजय की उपस्थिति में, पीएम नरेंद्र मोदी ने मेडएक्सएआई इनोवेशंस

की सीईओ डॉ. शीना सी. प्रवीण और वीआईटी चेन्नई के फैकल्टी सदस्यों से चर्चा की।

मेडएक्सएआई इनोवेशंस की सीईओ डॉ. शीना सी. प्रवीण ने कंपनी के अत्याधुनिक एआई और क्वांटम कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस समाधानों को प्रस्तुत किया। ये समाधान मेडिकल डायग्नोस्टिक्स (रोग निदान) और अगली पीढ़ी की दवा खोज (ड्रग डिस्कवरी) को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। पीएम ने कंपनी के उत्पादों की सराहना की, जो वीआईटी चेन्नई में इनक्यूबेट हुए इस स्टार्टअप के लिए एक उत्साहजनक उपलब्धि है। सीईओ इनोवेशंस 'एक हेल्थकेयर डीप-टेक कंपनी है, जो हेल्थकेयर और फार्मास्यूटिकल रिसर्च की गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशी एआई और क्वांटम कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस समाधान विकसित कर रही है।

प्रधान आरक्षक फिरोज खान की बेहिसाबी संपत्ति 35 करोड़ के पार

लोकायुक्त की जांच में अब तक 38 अचल संपत्तियां मिलीं, परिचित महिला के नाम राजोदा में कृषि भूमि खरीदने का भी हुआ खुलासा

इंदौर (आरएनएन)। पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (पीटीसी) के वाहन चालक प्रधान आरक्षक फिरोज खान के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस की जांच में बेहिसाबी संपत्ति का बाजार मूल्य 35 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। अब तक की जांच में आरोपी, उसके परिवार, सहयोगियों और फर्म के नाम पर 38 अचल संपत्तियां सामने आई हैं। इनकी गाइडलाइन के अनुसार कीमत 12 करोड़ 97 लाख रुपये से अधिक, जबकि बाजार मूल्य 35 करोड़ 46 लाख 46 हजार रुपये आंका गया है।

लोकायुक्त इंदौर के एसपी राजेश सहाय के अनुसार, शिकायत के आधार पर 14 अक्टूबर से फिरोज खान के विभिन्न आवारों और टिकानों पर सच कार्रवाई की गई। जांच के दौरान विभिन्न विभागों से जानकारी मांगी गई है। अब तक की जांच में आरोपी द्वारा चल-अचल संपत्तियों की खरीद पर 15 करोड़ 52 लाख 2 हजार 923 रुपये खर्च किया जाना पाया गया है। कार्रवाई अभी जारी है।



महिला का मुंह दबाना और उसके ऊपर लेटना रेप का प्रयास नहीं

● नई दिल्ली,

पटना हाईकोर्ट ने बिहार के बेगूसराय में फरवरी 2010 में हुई एक घटना के मामले में आरोपी की दुष्कर्म के प्रयास से जुड़ी दोषसिद्धि को बरकरार नहीं रखा है। अदालत ने कहा उपलब्ध साक्ष्यों से दुष्कर्म के प्रयास का अपराध साबित नहीं होता।

हालांकि, आरोपी को महिला की गरिमा भंग करने और अवैध रूप से घर में प्रवेश करने के अपराधों में दोषी ठहराने का निचली अदालत का फैसला बरकरार रखा गया। मामले के अनुसार, एक विधवा मजदूर महिला अपने बच्चों के साथ

झोपड़ी में रहती थी। आरोप था कि रात करीब 10 बजे मोहम्मद ऐनुल हक उसके घर में घुसा, दीया बुझाया और उसके ऊपर लेट गया। महिला ने शोर मचाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया।

पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं होने पर महिला का रुख किया। जुलाई 2013 में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को दुष्कर्म के प्रयास और अवैध रूप से घर में प्रवेश करने के अपराधों में दोषी ठहराया था। दुष्कर्म के प्रयास के लिए उसे चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी।

परिवितों के नाम पर भी संपत्तियां

जांच में देवास जिले के राजोदा गांव में परिचित रोशनी वर्मा के नाम 1.15 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदे जाने की जानकारी मिली है। रजिस्ट्री के अनुसार इसकी कीमत 62 लाख 46 हजार 562 रुपये है। इसके अलावा साहिब ट्रेडिंग कंपनी के नाम देवास की शक्ति नगर कॉलोनी में 1,250 वर्गफीट का भूखंड मिला है, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 6 लाख 16 हजार 169 रुपये है। परिचित नफीस खान के नाम शालीमार कॉलोनी, देवास में 40.5 वर्गमीटर का भूखंड दर्ज है, जिसकी रजिस्ट्री कीमत 2 लाख 50 हजार 596 रुपये है। जांच में परिचित रानु कुशवाह के नाम देवास जिले के लोहाना गांव में 0.305 हेक्टेयर कृषि भूमि भी मिली है। रजिस्ट्री के अनुसार इसकी कीमत 7 लाख 49 हजार 946 रुपये है। लोकायुक्त पुलिस के मुताबिक, अब तक सामने आई संपत्तियों का विवरण जांच में शामिल किया गया है। मामले में सच और अन्य विभागों से जानकारी जुटाने की कार्रवाई जारी है।

विधायक अनंत सिंह बोले-नीतीश कुमार के लिए 9 मर्डर कराए...

● पटना

बिहार में मोकामा से जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के विधायक अनंत सिंह के एक बयान से राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है।

उन्होंने पुराने दिनों का जिक्र करते हुए दावा किया था कि नीतीश कुमार के साथ रहते हुए उन्होंने नौ लोगों की हत्या करवाई थी। विवाद बढ़ने के बाद अनंत सिंह ने वीडियो जारी कर सफाई दी। अपने नए बयान में उन्होंने कहा कि लालू यादव की

इशर-उधर घूमते रहते थे। उनके मुताबिक, उस दौर में नीतीश के साथ रहते हुए उन्होंने नौ लोगों की हत्या करवाई थी। बयान सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई। बाद में वीडियो जारी कर सफाई देते हुए अनंत सिंह ने कहा कि वह जेडीयू नेता नीरज कुमार को जवाब देते हुए अपने पुराने दिनों के त्याग और

नुकसान का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि लालू यादव की सरकार के दौरान उनके नौ साथियों की हत्या कर दी गई थी।

मेरठ सांप कांड में रविता और अमरदीप को फांसी

पति का गला घोटने के बाद बिस्तर पर छोड़ दिया था सांप



सांप वाली साजिश का खौफनाक सच!

● मेरठ / आरएनएन

मेरठ कोर्ट ने दो दिन में चार लोगों को दी मौत की सजा

अपने पति की गला दबाकर हत्या करने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पहले पति अमित कश्यप का गला दबाकर उसकी जान ली और इसके बाद इस हत्याकांड को हादसा दिखाने के लिए उसके बिस्तर पर सांप छोड़ दिया।

हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। 12 अप्रैल 2025 की इस घटना में आखिरकार आज ईसाफ हो गया। मेरठ की अदालत ने दो दिन में चार लोगों को फांसी की सजा सुना चुकी है। मेरठ के एडीजे 12 जयवीर सिंह नागर की कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। आरोपी रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई। मेरठ के बहसूमा क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 12 अप्रैल 2025 की रात को अमित कश्यप की हत्या कर दी गई थी।

आखिर किसके सिर सजेगा जिला प्रमुख का ताज!

दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर !

स्मार्ट हलचल

आकाश शर्मा चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ के सियासी गलियारों में इन दिनों बस एक ही सवाल कौंध रहा है- ‘आखिर किसके सिर सजेगा जिला प्रमुख का ताज?’ हाल ही में संपन्न हुए निकाय चुनावों में जहाँ प्रत्याशियों को प्रचार और रणनीति के लिए बेहद कम समय मिला था, वहीं इसके ठीक विपरीत पंचायत चुनाव के लिए प्रत्याशियों को मिला अच्छा-खासा वक्त इस बार की राजनीतिक बिसात को बेहद दिलचस्प बना चुका है। एन त्यहारों के इस माहौल में, जहाँ हर प्रत्याशी अपनी गोटी जमाने और वोटों की फसल काटने में दिन-रात एक किए हुए है, वहीं जिला प्रमुख का पद



सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (BJP) के भीतर टिकटों को लेकर जो अंदरूनी घमासान छिड़ा है, उसने राजनीति के तापमान को चरम पर पहुँचा दिया है। दिग्गजों द्वारा अपने घर-परिवार की

महिलाओं को चुनावी समर में उतारने की होड़ और वर्चस्व की यह जंग अब पूरी तरह परवान चढ़ चुकी है !
नौ सीटों पर घमासान और दिग्गजों की प्रतिष्ठा
जिले की 359 ग्राम पंचायतों से मिलकर

बने 35 वार्डों में से 9 वार्ड सामान्य महिला के लिए आरक्षित हुए हैं। लेकिन असली खेल तो इसके आगे शुरू होता है-सामान्य पुरुष के लिए आरक्षित 9 वार्ड से भी भाजपा के कई दिग्गज अपनी घर-परिवार की महिलाओं को चुनावी मैदान में उतारने की जुगत भिड़ा रहे हैं। इस मची खींचतान ने पार्टी संगठन के सामने एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। सवाल यह है कि क्या संगठन किसी एक सर्वमान्य चेहरे पर सहमति बना पाएगा, या फिर यह आंतरिक कलह पार्टी के लिए भारी साबित होगी? इस महासंग्राम में कई बड़े नेताओं की राजनीतिक प्रतिष्ठा सीधे तौर पर दांव पर लगी है।
चेहरों का उलझा पेच,किस-किस के नाम पर चर्चा !
जिला भाजपा के पास वर्तमान में ऐसा कोई स्वतःस्फूर्त बड़ा महिला चेहरा नहीं है जिसे पार्टी सीधे तौर पर इस पद के लिए प्रोजेक्ट

कर सके। यही वजह है कि संगठन और जनप्रतिनिधियों की पसंद या कृपा पात्र महिलाओं के नाम पर मुहर लगना तय माना जा रहा है। रस में शामिल प्रमुख चेहरों का समीकरण कुछ इस प्रकार है। सुशीला कंवर आक्या- चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या की धर्मपत्नी। भदोसर पंचायत समिति की पूर्व प्रधान और वर्तमान में चित्तौड़गढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक की चेयरपर्सन। प्रशासनिक और राजनीतिक संतुलन का लंबा अनुभव इनके पक्ष में सबसे बड़ा प्लस पॉइंट है। रतन लाल गाडरी (जिलाध्यक्ष)- पार्टी के तीन बार के जिलाध्यक्ष अपने परिवार से किसी महिला को उतारने की फिराक में हैं। हालांकि, सुशों का मानना है कि ऐसा होने पर पार्टी में भीतरघात और खुली बगावत का खतरा पैदा हो सकता है, जिससे संगठन फूट्क-फूटक कर कदम रख रहा है। कमलेश पुरोहित की पत्नी- संगठन के रणनीतिकारों

में शुमार कमलेश पुरोहित की पत्नी का नाम भी चर्चा में है। हालांकि, कयास यह भी हैं कि निकाय चुनावों की तरह संगठन इन्हें चुनावी जंग की बजाय प्रदेश स्तर पर किसी आयोग या बोर्ड की जिम्मेदारी सौंप सकता है। उर्मिला कंवर (वार्ड 21)- भदोसर पंचायत समिति की पूर्व उप-प्रधान। संघ पृष्ठभूमि, प्रदेश संगठन में मजबूत पैठ और सीपी जोशी खेमे के खास नेता की पत्नी होने के नाते, यदि ये जीतती हैं तो समीकरण पूरी तरह पलट सकते हैं। विद्या देवी अग्रवाल (वार्ड 17)- जिला महिला मोर्चा की महामंत्री। वैश्य समाज से ताल्लुक रखने वाली और सांसद सी.पी. जोशी के खासमखास कार्यकर्ता राजू अग्रवाल की पत्नी होने के नाते यह भी इस रस में मजबूती से उठी हैं। अरुणा कवर नारेला- नारेला ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच और वर्तमान में सहकारी समिति की निर्विरोध अध्यक्ष। राजनीतिक विरासत को आगे

बढ़ाती इस महिला नेत्री का नाम भी काफी चर्चा में है।
अन्य चेहरे- पूर्व जिला प्रमुख सुशीला जौनगर सहित कई अन्य महिला नेत्रियां भी इस रस में अपनी जमीन तलाश रही हैं।
क्या धमेगी सिरफुटव्वल या बगावत बनेगी चुनौती !
चित्तौड़गढ़ की इस सियासी बिसात पर मोर्चेबंदी पूरी हो चुकी है। एक तरफ पारिवारिक प्रतिष्ठा बचाने की जिद है, तो दूसरी तरफ संगठन के सामने पार्टी की एकजुटता बनाए रखने की अग्निपरीक्षा। यदि टिकट वितरण में जरा भी चूक हुई, तो यह अंतकलह भाजपा के लिए भारी नुकसान का सबब बन सकती है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस उलझी हुई राजनीति और वर्चस्व की इस जंग में आखिरी बाजी किसके हाथ लगती है और पार्टी संगठन इस चक्रव्यूह को कैसे भेदता है !

टोंक DST का बड़ा एक्शन: 26 लाख रुपए की स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार,

बनेठा थाना क्षेत्र में 129 ग्राम स्मैक बरामद, बाइक, दो मोबाइल और इलेक्ट्रिक कांटा जब्त,

एसपी रोशन मीणा के निर्देशन में कार्रवाई- तस्करी नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

स्मार्ट हलचल

टोंक/बनेठा । जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जिला स्पेशल टीम (फ़ोर्स) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बनेठा थाना क्षेत्र से 129 ग्राम स्मैक बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद स्मैक की अनुमानित बाजार कीमत करीब 26 लाख रुपए



तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रामपुरा धाकडान निवासी रामकेश गुर्जर (22) पुत्र राजेश गुर्जर, मोनू गुर्जर (27) पुत्र बद्रीलाल तथा चोरू निवासी राजवीर गुर्जर (20) पुत्र शिवराज गुर्जर के रूप में हुई है। रामकेश और मोनू बनेठा थाना क्षेत्र के रामपुरा चाकडान गांव के निवासी हैं, जबकि राजवीर अलीगढ़ थाना क्षेत्र के छेरू गांव का रहने वाला है।
बाइक, मोबाइल और इलेक्ट्रिक कांटा जब्त
कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 129 ग्राम स्मैक के अलावा एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, 1,390 रुपए नकद और एक इलेक्ट्रिक कांटा जब्त किया। पुलिस अब जब्त सामग्री और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त तथा संभावित सप्लाई नेटवर्क से जुड़े

पहलुओं की जांच कर सकती है।
तस्करी नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस
जिला स्पेशल टीम की इस कार्रवाई के बाद स्मैक की आपूर्ति के स्रोत, खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य लोगों और मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े संपर्कों को लेकर जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, तस्करी नेटवर्क के संबंध में विस्तृत जानकारी और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। पुलिस की ओर से जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।
DST की कार्रवाई से स्थानीय पुलिस की निगरानी पर उठे सवाल
बनेठा थाना क्षेत्र में जिला मुख्यालय की स्पेशल टीम द्वारा की गई इस

कार्रवाई के बाद स्थानीय स्तर पर पुलिस की गश्त, बीट व्यवस्था और अवैध गतिविधियों की निगरानी को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस की सतर्कता और निगरानी व्यवस्था से भी जुड़ी है। हालांकि, केवल डीएसटी की कार्रवाई के आधार पर स्थानीय पुलिस की लापरवाही या जानकारी के अभाव को प्रमाणित नहीं माना जा सकता। ऐसे में यह जांच का विषय है कि क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की गतिविधियों पर पहले से निगरानी थी या नहीं और तस्करी के संभावित नेटवर्क का पता लगाने के लिए स्थानीय स्तर पर क्या प्रयास किए गए। अब पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई से इस मामले में अधिक तथ्य सामने आने की उम्मीद है।



स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) पंचायतीराज आम चुनाव- 2026 को लेकर भीलवाड़ा में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने जिला परिषद सदस्यों के चुनाव के लिए अपने 45 अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। पार्टी की ओर से 13 अक्टूबर 2026 को जारी सूची में वार्ड संख्या 1 से 45 तक उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। सूची जारी होने के साथ ही जिला परिषद चुनाव में भाजपा के प्रत्याशियों की तस्वीर सामने आ गई है। भाजपा जिला भीलवाड़ा की ओर से जारी अधिकृत सूची में जिला संगठन प्रभारी संजय जैन (ताऊ), जिला चुनाव प्रभारी बीरमेव सिंह जैसास और भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के हस्ताक्षर अंकित हैं।

नवरात्रि के पावन पर्व पर श्री कोटड़िया धाम में भव्य भजन संध्या व विशाल भंडारे का आयोजन
17 अक्टूबर को भजन संध्या में गुंजेंगे भक्ति के स्वर, 18 अक्टूबर को श्रद्धालु ग्रहण करेंगे बाबा की प्रसादी

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। नवरात्रि के पावन पर्व पर भक्ति और श्रद्धा के माहौल में भेरू बाबा मित्र मंडल, सामरिया कालोनी, ब्यावर के तत्वावधान में श्री कोटड़िया धाम में भव्य भजन संध्या एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम के तहत 17 अक्टूबर, शनिवार को शाम 8:30 बजे से भव्य भजन संध्या आयोजित होगी। इसमें मध्य प्रदेश के भजन गायक सुवराज वैष्णव एवं भीलवाड़ा के भजन गायक दीपक तिजारा अपनी सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगे। वहीं, 18 अक्टूबर, रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु बाबा की प्रसादी ग्रहण करेंगे। यह आयोजन श्री कोटड़िया धाम, सामरिया कालोनी, गोपाल जी कवाड़ी के पास, ब्यावर में होगा। भेरू बाबा मित्र मंडल ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से सपरिवार पधारकर भजन संध्या में भाग लेने और बाबा की प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।



दौसा जिला परिषद वार्ड-37 से संतोष शर्मा (उपाध्याय) ने कांग्रेस पार्टी से बागी हो कर निर्दलीय भरा नामांकन कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, सैकड़ों समर्थकों के साथ पहुंची दौसा जिला कलेक्ट्रेट; सामान्य सीट पर कांग्रेस पार्टी ने बाहरी प्रत्याशी उतारने पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

दौसा। जिला परिषद वार्ड संख्या 37 कुण्डल से कांग्रेस टिकट की दावेदार रहें संतोष शर्मा (उपाध्याय) ने कांग्रेस पार्टी से टिकट नहीं मिलने के बाद बागी बनकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। शुक्रवार को वे सैकड़ों समर्थकों के साथ दौसा जिला कलेक्ट्रेट पहुंची और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके निर्दलीय चुनाव लड़ने के फैसले से वार्ड में राजनीतिक हलचल और भी तेज हो गई है। नामांकन दाखिल करने के बाद संतोष शर्मा (उपाध्याय) ने व उनके



समर्थकों को कांग्रेस की टिकट वितरण प्रक्रिया पर नाराजगी ज़ाहिर करते हुए सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सामान्य सीट होने लड़ने का निर्णय लिया। नामांकन के दौरान दावेदार को मौका देने के

बजाय बाहरी व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया गया है। उनके अनुसार, क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर उनकी दावेदारी को लेकर लगातार खूब चर्चा में रही थी, लेकिन पार्टी ने टिकट वितरण के दौरान उनकी अनदेखी की गई। संतोष शर्मा ने बताया कि टिकट नहीं मिलने के बाद समर्थकों से विचार-विमर्श किया गया। समर्थकों के आग्रह और क्षेत्र की जनता के बीच अपनी दावेदारी को देखते हुए उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। नामांकन के दौरान कुण्डल पंचायत समिति

की पूर्व सदस्य जगदम्बा देवी जोशी, मुकेश लोका, चेताराम शर्मा, महेश कुमार बलाई, सुभाष मीणा, राकेश बोहरा, किरोड़ी सैनी और विट्ठु उपाध्याय सहित कई लोग मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थकों की भीड़ देखने को मिली। वार्ड संख्या 37 कुण्डल से संतोष शर्मा (उपाध्याय) के निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने के बाद मुकाबला और भी दिलचस्प होने के आसार हैं। उनके इस कदम से वार्ड में चुनावी समीकरणों और राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चाएं बहुत तेज हो गई हैं। एवं कांग्रेस पार्टी के लिए भी हलचले बढ़ती नजर आ रही है।

चुनावी घमासान के बीच रिश्तों की मिठास, ममता भूपेश ने बेटी को नंदलाल बंसीवाल से दिलवाया आशीर्वाद

नामांकन के अंतिम दिन भाजपा-कांग्रेस के नेताओं की आत्मीय मुलाकात बनी चर्चा का केंद्र, पूर्व विधायक बोले—‘हमारा नाता पुराना है’; वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

स्मार्ट हलचल

दौसा। पंचायत राज चुनाव में जिला प्रमुख की कुर्सी को लेकर सियासी बिसात बिछ चुकी है। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और चुनावी रणनीतियों का दौर जारी है। इसी सियासी घमासान के बीच जिला परिषद सदस्य पद के नामांकन के अंतिम दिन दौसा में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने राजनीतिक अदवावत के बीच पुराने रिश्तों की गर्माहट को सुर्खियों में ला दिया। कांग्रेस की पूर्व मंत्री ममता भूपेश और पूर्व विधायक नंदलाल बंसीवाल की आत्मीय मुलाकात ने चुनावी माहौल में नई चर्चा छेड़ दी। इस दौरान ममता भूपेश ने अपनी बेटी को बंसीवाल से आशीर्वाद दिलवाया। मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शुक्रवार को जिला परिषद सदस्य पद के नामांकन के



अंतिम दिन कलेक्ट्रेट परिसर में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भीड़ जुटी रही। इसी दौरान पूर्व विधायक नंदलाल बंसीवाल अपने समर्थक के नामांकन के सिलसिले में पहुंचे, जबकि पूर्व मंत्री ममता भूपेश अपनी बेटी का नामांकन दाखिल कराने आईं। नामांकन स्थल पर दोनों

नेताओं का आमना-सामना हुआ तो राजनीतिक औपचारिकताओं के बीच पुराने संबंधों की झलक देखने को मिली। ममता भूपेश ने अपनी बेटी को पूर्व विधायक नंदलाल बंसीवाल से आशीर्वाद लेने के लिए कहा। बंसीवाल ने भी स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। इस दौरान दोनों नेताओं ने साथ में तस्वीरें

खिंचवाईं। चुनावी माहौल में भाजपा और कांग्रेस से जुड़े नेताओं के बीच इस तरह की आत्मीयता देखकर मौके पर मौजूद लोग भी चर्चा करने लगे। ‘हमारा नाता पुराना है’-बंसीवाल की टिप्पणी ने खींचा ध्यान मीडिया ने जब इस मुलाकात को लेकर नंदलाल बंसीवाल से सवाल किया तो उन्होंने ममता भूपेश की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘हमारा नाता पुराना है।’ बंसीवाल की यह सीधे टिप्पणी मुलाकात का सबसे चर्चित हिस्सा बन गई। इसके बाद दोनों नेताओं की तस्वीरें और मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। राजनीतिक गलियारों में भी इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

सियासी प्रतिद्वंद्विता अपनी जगह, रिश्ते अपनी जगह
इस मुलाकात का खास पहलू यह है कि नंदलाल बंसीवाल और ममता

भूपेश पूर्व में चुनावी राजनीति में एक-दूसरे के सामने रह चुके हैं। इसके बावजूद नामांकन के दौरान दोनों के बीच जिस तरह की आत्मीयता दिखाई दी, उसने राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत संबंधों के बीच अंतर को उजागर किया। एक ओर पंचायत राज चुनाव में जिला प्रमुख की कुर्सी को लेकर राजनीतिक दल अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस मुलाकात ने चुनावी माहौल में एक अलग ही तस्वीर पेश की। अब इस घटनाक्रम को कोई पुराने रिश्तों की मिसाल बता रहा है तो कोई इसे चुनावी सरगर्मी के बीच सामने आया दिलचस्प सियासी दृश्य मान रहा है। फिलहाल, ‘हमारा नाता पुराना है’ वाला बयान और दोनों नेताओं की आत्मीय मुलाकात दौसा के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

मेघवाल समाज की भूमि आवंटन की मांग उठी, जनप्रतिनिधियों ने दिया विकास का भरोसा

सभापति पुष्पा बल्लुआ और उपसभापति दीक्षांत हरचंदानी का सम्मान, शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। श्री मेघवाल समाज सेवा संस्थान, ब्यावर की ओर से शुक्रवार को दुर्गा चौक स्थित शाहपुरा मोहल्ले में जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नगर परिषद सभापति पुष्पा जयकिशन बल्लुआ, उपसभापति दीक्षांत हरचंदानी सहित समाज के नवनिर्वाचित पार्षदों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। इस दौरान समाज की लंबित भूमि आवंटन की मांग प्रमुखता से उठाई गई। संस्थान के सचिव शानू मेघवाल ने बताया कि सभापति पुष्पा जयकिशन बल्लुआ ने शहर में रोशनी, सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य करवाने का भरोसा दिलाया। उपसभापति दीक्षांत हरचंदानी ने समाज को आश्वासन दिया कि वे हर समय सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। संस्थान अध्यक्ष तिलोक तालेपा ने कहा कि समाज के लिए भूमि आवंटन की मांग को लेकर संस्थान वर्ष 2023 से लगातार प्रयासरत है। इस संबंध में नियमानुसार आवेदन भी किया जा चुका है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से लंबित फाइल पर विचार कर समाज को भूमि आवंटित करवाने में सहयोग करने की अपील की। पार्षद भरत बाघमार ने वार्ड के विकास और समाज की मांगों को उचित मंच पर उठाने का भरोसा दिया। पार्षद संजय चौहान ने समाजबंधुओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि



शिक्षा से ही समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने भूमि आवंटन की वर्षों पुरानी मांग को भी आगे बढ़ाने की बात कही। समारोह में मेघवाल समाज के नवनिर्वाचित पार्षद भारत बाघमार, संजय चौहान, प्रदीप कुमार मेघवाल, चेतन राम मेघवाल एवं आरती सिंघानिया सहित ब्यावर विधानसभा के नवनिर्वाचित कांग्रेस युथ अध्यक्ष पुष्पेंद्र पवार, संरक्षक मंडल सदस्य रामचंद्रभाट्टी तथा समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहनलाल जनांगल ने किया। कार्यक्रमी सदस्य रवि पालंडिया ने बताया कि जगदंबा टेंट एंड लाइट डेकोरेशन के धर्मेन्द्र तालेपा ने समारोह में निःशुल्क टेंट व्यवस्था उपलब्ध करवाई। संस्थान की ओर से अतिथियों, सहयोगकर्ताओं एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के सदस्य मौजूद रहे।

हाल-ए-भीलवाड़ा नगर निगम: महापौर के निरीक्षण भी बेअसर निगम के टॉयलेट ही बदहाली के शिकार!

महापौर जसवंत कंवर शहर के वार्डों में कर रही निरीक्षण, अधिकारियों को दे रही सुधार के निर्देश
इधर निगम परिसर के शौचालयों की हालत ने स्वच्छता व्यवस्था पर खड़े किए सवाल...

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा (महेन्द्र नागरी) शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के दावे, वार्डों में निरीक्षण और समस्याओं के समाधान के निर्देश... लेकिन इन तमाम कवायदों के बीच नगर निगम के अपने ही शौचालयों की बदहाल स्थिति व्यवस्था को आईना दिखा रही है। जिस नगर निगम पर पूरे शहर की सफाई और सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव की जिम्मेदारी है, उसी के परिसर में टॉयलेट की हालत देखकर स्वच्छता के दावों पर सवाल उठने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब महापौर जसवंत कंवर खुद शहर के अलग-अलग वार्डों में पहुंचकर सफाई, सड़क, नाली और दूसरी जनसमस्याओं का निरीक्षण कर रही हैं, अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए जा रहे हैं, तो फिर निगम के अपने परिसर के शौचालयों की बदहाली पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नजर नहीं आ रही? क्या निरीक्षण का दायरा शहर के वार्डों तक ही सीमित है, या निगम के अपने परिसर की व्यवस्था भी इसकी प्राथमिकता में शामिल है?

महापौर के निरीक्षण जारी, निगम के टॉयलेट पर सवाल बरकरार

महापौर जसवंत कंवर वार्डों में पहुंचकर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुन रही हैं। सफाई व्यवस्था का जायजा लेने और मूलभूत सुविधाओं में सुधार के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की कवायद भी की जा रही है। नगर निगम की ओर से शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने की मंशा

है, बल्कि निरीक्षण के बाद कमियों को दूर करना भी उतना ही जरूरी है। जब अपने ही परिसर में व्यवस्था दुरुस्त नहीं, तो शहर का क्या हाल? नगर निगम की जिम्मेदारी शहर के सार्वजनिक शौचालयों को साफ-सुधरा और उपयोग योग्य बनाए रखने की है। ऐसे में निगम के अपने टॉयलेट की हालत ही सवालों के घेरे में हो, तो आमजन के लिए उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाओं की नियमित निगरानी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। शहर में सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई, पानी की उपलब्धता, खराब फिटिंग की मरम्मत और नियमित रखरखाव जैसी व्यवस्थाएं नागरिकों की बुनियादी जरूरतों से जुड़ी हैं। यदि निगम परिसर में ही इन पहलुओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो शहर के दूसरे हिस्सों में व्यवस्था की निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करना और भी जरूरी हो जाता है।

निरीक्षण की असली सफलता सुधार में

महापौर जसवंत कंवर के वार्ड निरीक्षणों से आमजन को समस्याओं के समाधान की उम्मीद है। लेकिन इस उम्मीद को मजबूत करने के लिए निगम परिसर की व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता देनी होगी। सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करने, शौचालयों की नियमित सफाई, टूटे हिस्सों की मरम्मत और समय-समय पर निगरानी की व्यवस्था से ही तत्वीर बदल सकती है। सवाल महापौर के निरीक्षण करने का नहीं, बल्कि उन निरीक्षणों के जरिए व्यवस्था में कितना सुधार हो रहा है, इसका है। जब शहर के वार्डों में कमियां दूर करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, तो निगम के अपने परिसर में भी उसी कसौटी पर व्यवस्थाओं को परखा जाना चाहिए।

महापौर और अधिकारियों से सीधे सवाल

निगम परिसर के शौचालयों की नियमित सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी है? शौचालयों की आखिरी बार मरम्मत कब कराई गई? क्या महापौर और निगम अधिकारियों के निरीक्षण में इन सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की जाती है? शहर के सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और रखरखाव की निगरानी

के लिए क्या व्यवस्था है? निगम परिसर के टॉयलेट की बदहाली दूर करने के लिए कब तक ठोस कदम उठाए जाएंगे? अब निगम को खुद से करनी होगी शुरुआत

भीलवाड़ा को स्वच्छ और सुंदर बनाने का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब स्वच्छता के मानक निगम के अपने परिसर में भी दिखाई देंगे। महापौर जसवंत कंवर के निरीक्षण और अधिकारियों के निर्देशों का असर जमीन पर दिखना चाहिए। निगम के शौचालयों की सफाई, मरम्मत और नियमित निगरानी को प्राथमिकता देकर व्यवस्था में तत्काल सुधार की जरूरत है।

क्योंकि शहर को स्वच्छता का संदेश देने वाले नगर निगम की शुरुआत उसके अपने परिसर से होनी चाहिए। जब निगम के टॉयलेट ही बदहाली के सवालों में धिरे हों, तो शहर के सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। अब देखना यह है कि निरीक्षणों के बाद निगम परिसर की तत्वीर बदलती है या बदहाली यूं ही बरकरार रहती है।



सुनु जननी सोड़ सुतु बड़भागी, जो पितु मातु बचन अनुरागी



रघुकुल रीति सदा चलि आई। प्राण जाहूँ बरु बचनु न जाई
रामलीला में दशरथ-कैकयी संवाद, राम वनगमन और केवट प्रसंग ने किया भावविभोर

स्मार्ट हलचल

कोटा। आरके पुरम-ए स्थित श्री महर्षि गौतम रामलीला पार्क में श्री रामलीला आयोजन समिति, आरके पुरम-ए एवं नगर निगम कोटा के संयुक्त तत्वावधान में रामलीला मंचन किया गया।समिति अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा एवं महामंत्री गिरिराज गौतम ने बताया कि लीला में दशरथ-कैकयी संवाद, राम वनगमन और केवट संवाद के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामायण की चौपाइयों, संवादों और सजीव अभिनय के माध्यम से कलाकारों ने त्याग, कर्तव्य, वचनपालन और भक्ति की महत्ता को प्रस्तुत किया। मीडिया प्रभारी पीपी गुप्ता ने बताया कि दशरथ-कैकयी संवाद में कैकयी द्वारा दो वरदान मांगने और राजा दशरथ की विवशता का मार्मिक चित्रण किया गया। पिता के वचन की मर्यादा रखने के लिए भगवान राम ने सहर्ष वन जाने का निर्णय लिया। इस प्रसंग में रामचरितमानस की चौपाई "रघुकुल रीति सदा चलि आई। प्राण जाहूँ बरु बचनु न जाई के भाव ने रघुकुल की वचनपालन परंपरा और भगवान राम की मर्यादा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। राम वनगमन के दृश्य में माता सीता और लक्ष्मण के साथ भगवान राम के वन प्रस्थान का मंचन हुआ। राजमहल के सुखों का त्याग कर पिता की आज्ञा का पालन करने वाले राम के चरित्र ने दर्शकों को भावुक किया। इस प्रसंग में "सुनु जननी सोड़ सुतु बड़भागी। जो पितु मातु बचन अनुरागी।" चौपाई के माध्यम से माता-पिता की आज्ञा के सम्मान का संदेश दिया गया।

केवट द्वारा भगवान राम को गंगा पार कराने के प्रसंग ने भक्ति, प्रेम और समानता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता पंकज मेहता रहे। विशिष्ट अतिथि गोविन्द शर्मा, मुख्य प्रायोजक अतिथि एवं एमएसएम हॉस्पिटल के चेयरमैन आरबी शर्मा, डॉ. अंकुर शर्मा, आरके पुरम भाजपा मंडल अध्यक्ष अक्षय चौधरी, किसान पाठक और ईश्वर शर्मा उपस्थित रहे। समिति के प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी पीपी गुप्ता ने बताया कि रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श जीवन के संदेश को समाज तक पहुंचाया जा रहा है। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम शर्मा, संयोजक चंद्र प्रकाश माहेश्वरी, सत्य प्रकाश शर्मा, अजय गन्तानी, अशोक जेथलिया, अंजू शर्मा, मनीषा मालव, समृद्धि शर्मा, सतीश चतुर्वेदी, राजीव पाटनी, राजू कुशवाहा, आरएस सोलंकी, रामस्वरूप विजय एवं रामस्वरूप गोचर सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।

उर्वरक वितरण में गड़बड़ी पर कृषि विभाग सख्त, तीन विक्रेताओं को नोटिस दौसा जिले में 21,816 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध, कालाबाजारी और अवैध परिवहन रोकने के लिए चेक पोस्ट पर निगरानी, शिकायत के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

स्मार्ट हलचल



दौसा । रबी फसल की बुवाई के बीच किसानों को उर्वरकों की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। जिले में उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण कर वितरण व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर तीन उर्वरक विक्रेताओं को मौके पर ही कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। वहीं, उर्वरकों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए संवेदनशील स्थानों पर चेक पोस्ट स्थापित कर कार्मिकों की इयुटी लगाई गई है। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा रामराज मीणा ने बताया कि किसानों को डीएपी, यूरिया और एसएसपी सहित अन्य उर्वरक समय पर उपलब्ध कराने के लिए 10,521 मीट्रिक टन यूरिया, 1,715 मीट्रिक टन डीएपी, 7,288 मीट्रिक टन एसएसपी तथा 2,365 मीट्रिक टन एनपीके शामिल हैं। विभाग का कहना है कि उर्वरकों की आपूर्ति लगातार जारी रखने के लिए निर्माता एवं आपूर्तिकर्ता कंपनियों को मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सहकारी क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए किसानों की भूमि जोत और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

पीओएस मशीन से बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद मिलेगा उर्वरक उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डीएपी और यूरिया का विक्रय पीओएस मशीन के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणिकरण के बाद किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना पीओएस मशीन के उर्वरक बेचने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। इसके अलावा, निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने, उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद खरीदने के लिए किसानों को बाध्य करने, कालाबाजारी करने या मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निरस्त करने की जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतों के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष

सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीना ने बताया कि किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान और उर्वरकों की उपलब्धता पर निगरानी के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष की प्रभारी अधिकारी अंजली शर्मा, कृषि अधिकारी (पौध संरक्षण), दौसा को नियुक्त किया गया है। किसान उर्वरक की कमी, निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने, कालाबाजारी और अन्य अनियमितताओं से संबंधित शिकायत मोबाइल नंबर 9782210812 पर दर्ज करवा सकते हैं।

अवैध परिवहन पर रहेगी नजर, किसानों से अपील

जिले से बाहर उर्वरकों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर चेक पोस्ट स्थापित की गई हैं। यहां तैनात कार्मिकों की निगरानी के साथ अधिकारियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण भी किया जाएगा, ताकि उर्वरकों की अनधिकृत आवाजाही पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे उर्वरक केवल अधिकृत विक्रय केंद्रों से खरीदें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बायोमेट्रिक प्रमाणिकरण करवाएं। किसान अपनी जरूरत के मुताबिक ही उर्वरक खरीदें तथा कृषि विक्रेता द्वारा अधिक कीमत वसूलने या अन्य उत्पाद जबरन देने पर तत्काल शिकायत दर्ज करवाएं। विभाग का लक्ष्य रबी सीजन में किसानों को उचित दर पर समयबद्ध तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराना और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखना है।

कोंपियों से सजा गरबा पंडाल, स्कूल यूनिफॉर्म में थिरके प्रतिभागी



ढोल बाजे में स्कूल थीम ने ताजा की बचपन की यादे, आकर्षक सजावट और गरबा के उल्लास ने बांधा समां

स्मार्ट हलचल अनिल खींची

ब्यावर। ढोल बाजे गरबा महोत्सव में स्कूल थीम पर आधारित आयोजन आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर पूरे गाउँड को नोटबुक और कॉपियों से आकर्षक रूप से सजाया गया। स्कूल की यादों को जीवंत करती सजावट के बीच प्रतिभागी स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर पहुंचे और गरबा की धुनों पर जमकर थिरके। बचपन की यादों और नवरात्रि के उत्साह के अनूठे संगम ने आयोजन को खास बना दिया। कार्यक्रम में ब्यावर नगर परिषद सम्भापति पुष्पा जयकिशन बल्लुआ, भाजपा नेता जयकिशन बल्लुआ, उपसभापति दीक्षांत हरचंदानी एवं पार्षद तुलसीराम शर्मा ने शिरकत की। इस दौरान आकाश लालवानी, अश्वत गर्ग, वींशता पंजाबी, मंदीप गहलोत एवं सीरम उवाना सहित ढोल बाजे टीम के सदस्य मौजूद रहे। स्कूल थीम पर आधारित इस आयोजन में प्रतिभागियों ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए गरबा का आनंद लिया। कॉपियों से सजा पंडाल और स्कूल यूनिफॉर्म में पहुंचे प्रतिभागियों की मौजूदगी ने पूरे आयोजन को अनूठा रूप दिया। ढोल बाजे की पकचान बनी पवित्र 'चह इवेंट नहीं, इमोशन है' इस आयोजन में साकार होती नजर आई।

चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था। चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

पैनिक अटैक में होंट कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंग्जायटी में दिल की धड़कन तेज हो



जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंट कसकर एक तरफ खिंच जाता था। चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।' **तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी-** चहल - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत मैं मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला आईपीएल खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपना आसान नहीं होता। चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।

एशियन पैरा गेम्स भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को दक्षिण कोरिया ने 2-0 से हराया

नागोया। (एजेंसी)। एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को अपने अभियान के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए प्रारंभिक दौर के इस मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी जांग यंगजुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। दक्षिण कोरिया की टीम ने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल किया और भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में आगाज निराशाजनक रहा। भारतीय टीम अब शनिवार को मेजबान जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। टीम की नजरें अगले मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करने पर होगी। इस प्रतियोगिता में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा चीन, ईरान तथा थाईलैंड की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं।

संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।'

यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पोस्ट के जरिए कही। मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटरों पिचों को बॉलिंग फेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले

भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल

उठाए थे - 9 अक्टूबर की रात को रंजी में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग देते हैं

संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग देते हैं। मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।

संक्षिप्त समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



नई दिल्ली। (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशनल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनीसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया। रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया विनीसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनीसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया। विनीसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतादेर और वेलेसिया के खिलाफ अगले मैच भी मिस करेंगे।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20

आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास

मजबूत किया है। भारतीय टीम की कप्तान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।

कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने घरेली दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखा होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मौकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रुढ़ैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और दीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।

तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेंथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सीरीज में भारत के टॉप विकेट टेकर हैं अर्शदीप - अर्शदीप सिंह इस में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 4 मैचों में 5 विकेट झटक के हैं। उन्होंने तीसरे मुकाबले में 44 रन देकर 3 विकेट झटक थे। भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला 22 नवंबर 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में खेला था। उस मैच में भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 35 रन दिए। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं।



भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल



तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्कॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 36 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेलते हुए चौथे टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिकवरी के आधार पर लिया जाएगा।

भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूँज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1)



रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्न1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवों को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।

2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी - रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एफ1 की वापसी के लिए सरकार और

संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का

2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रांप्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटेल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टैक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्न1 रेस का आयोजन बंद हो गया। अगर सरकार, संभावित प्रमोटर और एफ1 प्रबंधन के बीच सभी जरूरी मुद्दों पर सहमति बन जाती है, तो बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेसिंग देखने का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।' बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं। बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म डू पोस्ट में अपनी बात रखी।

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं। सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'